राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 05 मई 2026
वर्ष 14, अंक 26, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर 16 घंटे से फंसे 2 बच्चों को एयरफोर्स हेलिकॉप्टर से सेना ने किया रेस्क्यू...03

ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों को चीन ने ठुकराया...04

बंगाल में बदला नहीं, बदलाव की बात हो विधानसभा चुनावों में जीत के बाद बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सोमवार शाम को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में जोरदार स्वागत किया गया. इस अवसर पर पूरा परिसर मोदी-मोदी के नारे से गूंज उठा. पीएम मोदी ने भाषण की शुरुआत भारत माता के नारे के साथ की. पीएम मोदी ने कहा कि आज का यह दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है. बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी बढ़त मिली है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष नितिन नबीन भाजपा कार्यालय पहुंच गये हैं. उनका भाजपा मुख्यालय में जोरदार स्वागत किया गया. भाजपा मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश की संस्कृति को समझ नहीं पाई है. बीजेपी के लिए भारत और भारतीयता के भाव से बड़ा और कुछ भी नहीं है. हमारे लिए भारत सब कुछ है. भारतीयता सबकुछ है. पीएम मोदी ने कहा कि महिला विरोधी समाजवादी पार्टी कुछ भी करके अपने पाप को धुल नहीं पाएगी. आज पूरे देश में एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार हो. एक भी नहीं है. ये सिर्फ सियासत का बदलाव नहीं है. सोच का बदलाव है. यह बतलाता है कि विकसित होता भारत किस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है. आज का भारत अवसर चाहता है, विकास चाहता है और विकास चाहता है. प्रगति और स्थिरता चाहता है. आज का भारत ऐसी राजनीति चाहता है, जो देश को आगे बढ़ाए, लेकिन दुर्भाग्य से आज की कांग्रेस बिल्कुल विपरीत दिशा में चल पड़ी है. ऐसे समय में जब पूरा देश कम्युनिज्म से किनारा कर चुका है. कांग्रेस उसी विचाराधारा को अपनाने में लगी है, जिसे देश में ठुकरा दिया है. जो माओवाद जंगलों में समाप्त हो रहा है. कांग्रेस में जड़े मजबूत कर रहा है. कांग्रेस अर्बन नक्सलियों का गिरोह बनते जा रही है. पीएम मोदी ने कहा कि अंग, बंग और कलिंग को मजबूत होना बहुत जरूरी है. गर्व है कि इसने एनडीए को चुन लिया है. नारी शक्ति अब विकसित भारत के निर्माण में तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन नारी शक्ति की रफ्तार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने रोकने का काम किया है. संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पास नहीं होने नहीं दिया. इसलिए मैंने पहले कुछ दिन पहले कहा था कि महिलाओं के आरक्षण का विरोध करने वाले दलों को महिलाओं का आक्रोष झेलना पड़ेगा. कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके को बहनों-बेटियों ने सजा दी है. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में अब बदला नहीं, बदलाव की बात हो. सभी दल हिंसा के चक्र को खत्म करें. पीएम मोदी ने कहा कि इस बार बंगाल में पहली बार शांतिपूर्ण चुनाव हुआ. एक भी निर्दोष नागरिक की जान नहीं गई. बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया है. आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है. विकास के भरोसे से युक्त हुआ है. बांग्लाय पोरिवर्तन होए गचे. पीएम मोदी ने कहा कि पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी दिखाई जाएगी. घुसपैठियों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई होगी. पीएम मोदी ने कहा कि केरल और बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं पर कितने जुल्म हुए हैं. कितने अत्याचार हुए हैं. आज बंगाल में भाजपा की सफलता का श्रेय ऐसे सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को देता हूं. मैं जीत की जनता बंगाल की जनता को समर्पित करता हूं. चार मई की शाम भले ही चल रही हो, लेकिन बंगाल की पावन धरा पर एक नया सूर्योदय हुआ है. पीएम मोदी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद की आत्मा को शांति मिली है. उन्होंने जिस बंगाल का सपना देखा था. आज चार मई, 2026 को बंगाल की जनता हम भाजपा कार्यकर्ताओं को वो अवसर दिया है. बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया है. आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है. विकास के भरोसे से युक्त हुआ है. पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 93% मतदान होना, अपने आप में ऐतिहासिक रहा है. असम, तमिलनाडु, पुदुचेरी और केरलम में भी मतदान के नए रिकॉर्ड बने हैं. इसमें भी

महिलाओं की भागीदारी बहुत अधिक रही है. ये भारतीय लोकतंत्र की सबसे उजली तस्वीर बन रही है. पीएम मोदी ने कहा कि आज 20 से ज्यादा राज्यों में एनडीए-भाजपा की सरकार है. हम नागरिकों की सेवा में जुटे हैं. इसलिए जनता का भरोसा है. जनता साफ देख रही है. जनता साफ देख रही है. जहां भाजपा वहां गुड गवर्नेंस. हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार में जीत मिली. यह सफलता केवल राज्यों के चुनावों में नहीं मिली, बल्कि स्थानीय चुनाव में भी मिली. पीएम मोदी ने कहा कि एक बार फिर से पुडुचेरी की जनता ने एनडीए पर विश्वास व्यक्त किया है. एनडीए सरकार पुडुचेरी के उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर काम करती रहेगी. पुडुचेरी के हर परिवार की समृद्धि यही हमारा संकल्प है. पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा के साथ ब्रह्मपुत्र का भी आशीर्वाद रहा है. असम में तीसरी बार भाजपा पर जनता ने भरोसा किया है. ये असम के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है. असम अपने विकास की रफ्तार और बढ़ाएगा. पीएम मोदी ने कहा कि गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल-कमल ही खिला है. मां गंगा के किनारे के राज्यों में अब बीजेपी-एनडीए की सरकार है. पीएम मोदी ने कहा कि जय और पराजय लोकतंत्र और चुनावी राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा होता है, लेकिन पांच प्रदेशों की जनता ने पूरे विश्व का दिखाया है. ये हमारा भारत, मदर ऑफ डेमोक्रेसी क्यों है. लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक तंत्र नहीं है. यह हमारी रगो में दौड़ता हुआ संस्कार है. पीएम मोदी ने कहा कि जब वर्षों की साधना, सिद्धि में बदलती है, तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी आज मैं देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं. पीएम मोदी ने कहा कि भरोसा भारत के लोकतंत्र पर, भरोसा स्थिरता के संकल्प पर, भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर है. नितिन नबीन ने कहा कि इस चुनाव के बाद इंडी गंठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगी. नारी वंदन विधेयक को खारिज करने पर जनता ने सबक सिखाने का काम किया है. नितिन नबीन ने कहा कि आज पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में हमारी देवतुल्य जनता ने हमें जो समर्थन दिया है, उसके लिए मैं इन सभी पांच राज्यों के लोगों का अभिनंदन करता हूं कि आपने हमारे नेतृत्व के प्रति और भाजपा-NDA के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है. नितिन नबीन ने कहा कि यह जीत काफी संघर्ष के बाद मिली है. बंगाल में पूरा भय का वातावरण बना हुआ था. भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि आज की प्रचंड जीत ने 2024 के कसक को पूरा किया है. पीएम मोदी के प्रति आस्था जताया है. पीएम मोदी ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को माला पहनाकर किया स्वागत. पीएम मोदी बंगाली धोती-कुर्ती पहने नजर आए. पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंच गये. नारों के साथ उनका स्वागत किया गया है. पूरा मुख्यालय जयश्री नारे से गूंज गया है. इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल साइट एक्स पर कहा कि2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हमेशा याद किए जाएंगे. लोगों की ताकत की जीत हुई है और BJP की अच्छे शासन की राजनीति की जीत हुई है. मैं पश्चिम बंगाल के हर एक व्यक्ति को नमन करता हूं. उन्होंने कहा कि लोगों ने BJP को शानदार जनादेश दिया है और मैं उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और उम्मीदों को पूरा करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी. हम ऐसी सरकार देंगे जो समाज के सभी वर्गों को मौका और सम्मान देगी.

रणनीति, संगठन और माइक्रो मैनेजमेंट... बंगाल में बीजेपी की जीत की शाह ने ऐसे लिखी कहानी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बदलाव की इस कहानी के केंद्र में गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, संगठन क्षमता और जमीनी पकड़ को निर्णायक कारक माना जा रहा है. करीब पंद्रह दिनों तक लगातार बंगाल में डेरा डालकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न सिर्फ आक्रामक चुनावी अभियान चलाया, बल्कि एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में पूरे मिशन को अंतिम चरण तक सटीक तरीके से संचालित किया. दिन में रैलियों और रोड शो के जरिए उन्होंने माहौल तैयार किया, तो रात में संगठन को धार देने का काम किया.देर रात तक चलने वाली बैठकों में अमित शाह लगातार जमीनी फीडबैक लेते, स्थानीय नेताओं को दिशा देते, रणनीति तय करते और अगले ही दिन उसे जमीन पर लागू कराते. पचास से अधिक रैलियों और रोड शो के माध्यम से उन्होंने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया और मतदाताओं तक सीधे संवाद स्थापित किया. चुनाव के दौरान की गई उनकी प्रमुख घोषणाएं—जैसे सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू करने का वादा और कानून-व्यवस्था पर सख्ती ने मतदाताओं के बीच स्पष्ट और ठोस राजनीतिक संदेश दिया.

शाह की टीम ने बंगाल में किया कमाल

पहले चरण के मतदान के बाद उनका यह दावा कि बीजेपी 110 से अधिक सीटें जीत रही है, मनोवैज्ञानिक बढ़त साबित हुआ. इससे दूसरे चरण में

मतदाताओं के बीच सत्ता परिवर्तन की संभावना की धारणा बनी, जिसने चुनावी रुझान को प्रभावित किया. हालांकि, यह सफलता सिर्फ एक व्यक्ति की रणनीति का परिणाम नहीं थी. अमित शाह के साथ पांच प्रमुख नेताओं की टीम ने संगठित और समन्वित तरीके से हर मोर्चे पर काम किया. भूपेंद्र यादव ने संगठन के माइक्रो-मैनेजमेंट पर ध्यान केंद्रित किया. बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी कानूनी चुनौतियों को संभालना उनकी विशेषता रही, जिससे पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत हुई.

माइक्रो-मैनेजमेंट से पलटा खेल

सुनील बंसल ने संगठन को नई धार दी. पन्ना प्रमुख मॉडल के जरिए उन्होंने ऐसा मजबूत नेटवर्क खड़ा किया, जिसने टीएमसी के कैडर-आधारित ढांचे को सीधी चुनौती दी. उन्होंने नेताओं के बीच तालमेल बैठाने के साथ-साथ पिछले चार वर्षों के फीडबैक के आधार पर कमियों को दूर किया और ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ मुद्दों को सड़कों तक पहुंचाया. धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे अभियान के मुख्य रणनीतिकार के रूप में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने विभिन्न सामाजिक और जातीय समूहों के बीच संतुलन बनाते हुए केंद्र और राज्य इकाई के बीच मजबूत तालमेल स्थापित किया. खड़गपुर को अपना आधार बनाकर उन्होंने व्यापक स्तर पर संगठनात्मक व्यूह रचना तैयार की.

बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत

बिप्लब देब ने अपने अनुभव का उपयोग उन क्षेत्रों में किया, जहां सामाजिक-सांस्कृतिक समानताएं त्रिपुरा से मिलती हैं. उनकी आक्रामक प्रचार शैली ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा. अमित मालवीय ने डिजिटल मोर्चे पर नैरेटिव की लड़ाई संभाली. सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने विभिन्न मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाया और विपक्ष के प्रचार का प्रभावी जवाब दिया, जिससे जनमत को प्रभावित करने में मदद मिली. इन सभी नेताओं के सामूहिक प्रयासों ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले. यह जीत केवल चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि सुनियोजित रणनीति, मजबूत संगठन और निरंतर प्रयास का परिणाम है, जिसने बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत की है.

ग्रेटर नोएडा में रैगिंग का शर्मनाक खेल! निजी यूनिवर्सिटी में छात्रा से मारपीट जांच कमेटी गठित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र स्थित एक निजी यूनिवर्सिटी में छात्रा की रैगिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है. वीडियो में कुछ छात्राएं एक अन्य छात्रा के साथ मारपीट करती हुई दिखाई दे रही हैं. वीडियो में पीड़ित छात्रा के बाल खींचे जा रहे हैं, उसे थप्पड़ मारे जा रहे हैं और उसके साथ अभद्र व्यवहार भी किया जा रहा है. इस वीडियो के सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी में हड़कंप मचा हुआ है. छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के बीच चिंता का माहौल है. वहीं संस्थान की सुरक्षा और अनुशासन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए. हालांकि, घटना को लेकर अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह मामला रैगिंग का है या फिर छात्राओं के बीच किसी व्यक्तिगत विवाद का नतीजा है. वीडियो में दिखाई दे रही हिंसा और बदसलूकी ने मामले को काफी गंभीर बना दिया है. यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने भी इस घटना को हल्के में नहीं लिया है.

वीडियो की जांच के लिए समिति का गठन

तत्काल प्रभाव से वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी है, ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके. यूनिवर्सिटी प्रबंधन मुताबिक, इस पूरे मामले में एक जांच समिति बनाई गई है, जो इस पूरे मामले का संज्ञान ले रही है. साथ ही उन्हें यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वीडियो की सत्यता, घटना का समय-स्थान और इसमें शामिल छात्रों के पहचान जैसे सभी पहलुओं को बारीकी से जांच करें. इसके लिए पांच दिनों की समय अवधि निर्धारित की गई है.

पुलिस को नहीं मिली शिकायत

जांच रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाएगा कि मामला वास्तव में रैगिंग का है या नहीं और इसमें शामिल छात्रों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी. वहीं, पुलिस इस पूरे मामले को लेकर सतर्क है और पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं. एसीपी दादरी प्रशाली गंगवार के अनुसार, वायरल वीडियो लगभग 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि अब तक न तो यूनिवर्सिटी प्रबंधन की ओर से और ना ही पीड़ित छात्रा की तरफ से कोई शिकायत दर्ज कराई है. ऐसे में पुलिस फिलहाल जांच समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है. उनका यह भी कहना है कि अगर शिकायत मिलती है तो शिकायत के आधार जांच के बाद सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

संक्षिप्त ख़बरें

असम में NDA की शानदार जीत, सरकार के काम और विकास के एजेंडे पर जनता ने लगाई मुहर : हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव में राजग के शानदार प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए सोमवार को कहा कि यह परिणाम सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर का प्रतिबिंब है। शर्मा ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'यह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए अभूतपूर्व जीत है। यह पहला मौका है जब भाजपा ने राज्य में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। 'निर्वाचन आयोग के अनुसार असम विधानसभा चुनाव के अब तक घोषित नतीजों में भाजपा 62 सीटें जीत चुकी है और 20 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि उसकी सहयोगी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को सात सीटें मिलीं और तीन पर बढ़त है। राजग के अन्य सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) चार सीट जीत चुकी है और छह सीटों पर आगे चल रही है। चुनाव परिणाम में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर शर्मा ने कहा, 'लोगों ने गायक जुबीन गर्ग की मौत का राजनीतिकरण करने के लिए उन्हें सजा दी है। 'मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा और राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने और 'बांग्लादेशी मियाओं' की 'आक्रामकता' से लड़ने के लिए 'अच्छे' हिंदू कांग्रेसी नेताओं से भाजपा में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हैट्रिक के साथ शतक!', क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन तीन अंकों के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।'

ढेर हुए धुरंधर, चमक उठी 2 साल पुरानी पार्टी... तमिलनाडु के रण में कैसे हुई एक्टर विजय की पार्टी की जय-जय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महज दो साल पुरानी पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु की 50 साल से ज्यादा समय से चली आ रही दो धुर्वों में बंटी राजनीति को हिला कर रख दिया. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को हुई मतगणना में अभिनेता से नेता बने विजय ने 100 से ज्यादा सीटों पर बढत बना रखी है. नतीजें बताते हैं कि फिल्म सुपरस्टार विजय अपनी सिनेमाई लोकप्रियता को वोटों में बदलने में कामयाब रहे. नतीजा विजय की ऑन स्क्रीन लोकप्रिय तमिलनाडु में राजनीतिक ताकत के रूप में जनता के सामने है. तमिलनाडु की जनता राजनीति के द्रविड़ मॉडल से ऊब गई थी. राज्य में बारी बारी से कभी डीएमके तो कभी एआईएडीमके की सरकार में तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी. उनको विजय में उम्मीद और विकल्प दिखा. खासकर राज्य के युवाओं और महिला वोटरों में विजय का जबरदस्त क्रेज था. फिल्मों की तरह असल जावन में भी विजय युवाओं को एक शांत पर पुराने पड़ चुके राजनीतिक ढर्रे को तोड़ने वाले हीरो के रूप में नजर आए.

सिनेमाई करिश्मा बना चुनावी ताकत

विजय ने अपना प्रोजेक्शन एक ऐसे नेता के तौर पर किया जो द्रविड़ आईडेंटिटी का सम्मान तो करता है पर जाति और धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण के खिलाफ है. विजय ने राज्य के दलित और अल्पसंख्यक वोटरों के एक बड़े हिस्से को भी अपनी तरफ खींचा. लेकिन विजय के लिए राह उतनी आसान नहीं रही. पिछले साल सितंबर में विजय की करूर रैली में 41 लोगों की मौत के बाद से अब सत्ता की दहलीज तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा. विजय के पास दूसरे दलों जैसा कार्यकर्ताओं का संगठन नहीं था जो वोटरों को घर से निकालकर कर वोटिंग बूथ तक ले जाता है. इसके लिए विजय ने राज्य भर में फैले अपने फैन क्लब का सहारा लिया. दरअसल विजय ने राजनीति में आने से पहले अपने फैन क्लब विजय मक्कल इयक्कम को तैयार किया. चुनावों में इसी फैन क्लब ने बूथ स्तर पर काम किया और सिनेमाई करिश्मा को वोटों में बदला.

DMK-AIADMK के एकाधिकार को चुनौती

तमिलनाडु में एक्ट विजय को सत्ता के नजदीक पहुंचाने में मौजूदा डीएमके सरकार की सत्ता विरोधी लहर ने भी मदद की. डीएमके की परिवारवाद की राजनीति, डीएमके नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप , कानून-व्यवस्था के मसले पर भी तमिलनाडु का जनता स्टालिन सरकार से पेशान थी. सीएम स्टालिन के उत्तराधिकारी के तौर पर उदयनिधि स्टालिन के उभार में युवाओं को वंशवाद नजर आया. लिहाजा युवा को पूरी तरह एक्टर विजय के साथ हो लिए. उधर AIADMK भी नेतृत्व की लड़ाई से बिखरता चला गया. ईपीएस और ओपीएस की गुटबाजी और पुराने नेताओं के साथ छोड़ने के चलते जनता और द्वितीयक कार्यकर्ताओं को पार्टी को लेकर भरोसे का संकट दिखा. असर ये हुआ कि एआईएडीएमके के भरोसेमंद वोटर जो डीएमके के साथ नहीं जा सकते थे. उन्होने भी एक्टर विजय की पार्टी में अपना नया ठिकाना ढूढा.

फैन क्लब, युवा और महिला वोटरों की भूमिका

विजय के शिक्षा, स्वास्थ्य को लेकर वादों ने पढ़ें लिखे मध्यम वर्ग को उम्मीद दी, जो डीएमके और एआईएडीएमके के फ्री वादों के कल्चर से परेशान थे. विजय ने पूरे चुनाव में कोई इंटर्व्यू नही दिया, जिससे अनावश्यक विवाद और आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई से बचे रहे. विजय की पार्टी का छोटे छोटे गानों, वीडियो संदेश का सोशल मीडिया और डिजिटल कैंपेन का तरीका भी शहरी और ग्रामीण वोटरों को खूब भाया. जानकार बताते है कि न्यूट्रल और फ्लोटिंग वोटरों ने भी काफी हद तक विजय को वोट किया. भाषाई विवाद और रीजनल पहचान के मुद्दे पर बीजेपी के खिलाफ डीएमके को वोट करने वाले वोटरों ने भी विजय को ही विकल्प के तौर पर देखा.

बंगाल-असम में बीजेपी की बढ़त पर जश्नः CM Yogi ने मंत्रियों संग मनाई जीत की खुशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा सीटों के लिए हो रही मतगणना के लिए कुल 292 रूझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दोपहर ढाई बजे तक 193 सीटों पर बढ़त बनाई हुयी है जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को केवल 94 सीटों पर ही बढ़त हासिल हुयी है। इसे लेकर अब उत्तर प्रदेश में खुशी का महौल है। असम विधानसभा चुनाव 2026 और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के रुझानों में भाजपा की बढ़त के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक से पहले प्रदेश कैबिनेट

मंत्रियों के साथ जश्न मनाया। इस दौरान एक दूसरे का लड्डू खिला कर मुंह मीठा कराया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का आशीर्वाद सिद्ध हो गया और अरब सागर(महाराष्ट्र) से लेकर गंगा सागर(पश्चिम बंगाल) तक कमल खिल गया है... प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण हमें पश्चिम बंगाल में जीत मिली, असम में हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं और पुडुचेरी में भी दूसरी बार हमारी सरकार बन रही है। हमें पूरा विश्वास है कि तमिलनाडु, केरल में भी कमल खिलेगा। इस वक्त भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता, समर्थक खुशी से झूम रहा है। अखिलेश यादव बहुत कहते थे कि दीदी जीतेगी, भाजपा हारेगी... लेकिन आम आदमी पार्टी, RJD और TMC का जो हश्र हुआ है उससे बुरा हश्र 2027 में समाजवादी पार्टी का उत्तर प्रदेश में होगा।

शुरुआती रुझानों में कांग्रेस की बढ़त देख बोले शशि थरूर- अब प्राथमिकता केरल का सुधार करना है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केरल विधानसभा चुनाव 2026 के शुरुआती रुझानों में कांग्रेस और यूडीएफ (UDF) के शानदार प्रदर्शन के बीच वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने राज्य की भविष्य की दिशा को लेकर बड़ा बयान दिया है। सोमवार सुबह जारी मतगणना में कांग्रेस नीत गठबंधन को बढ़त मिलता देख थरूर ने कहा कि अब समय आ गया है कि केरल में सरकार और नीतियों, दोनों में बदलाव कर राज्य का सुधार किया जाए।

केरल को 'इन्वेस्टमेंट हब' बनाने पर दिया ज़ोर

समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए शशि थरूर ने राज्य की मौजूदा आर्थिक स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अभी सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सरकार बदले और नीतियां बदलें ताकि केरल का विकास फिर से पटरी पर आ सके। थरूर ने कहा कि वे केरल को निवेश के लिए एक सुरक्षित ठिकाना

(Investment Haven) बनाना चाहते हैं, ताकि युवाओं के लिए रोजगार पैदा हो सकें। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि अवसरों की कमी के कारण राज्य के युवा बाहर पलायन कर रहे हैं। नई सरकार का लक्ष्य इस पलायन को रोकना होगा।

रुझानों में कांग्रेस और DF का दबदबा

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 140 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल निर्णायक बढ़त की ओर हैं। कांग्रेस अकेले 49 सीटों पर आगे चल रही है। सत्ताधारी माकपा (CPI-M) फिलहाल पिछड़ती नजर आ रही है और केवल 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। पूरे गठबंधन (DF) की बात करें तो वह 70 से अधिक सीटों पर बढ़त के साथ बहुमत के करीब दिख रहा है।

प्रमुख सीटों की स्थिति

इरिककूर (Irikkur) सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सजीव जोसेफ 5,000 से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं। दूसरी ओर, माकपा के गढ़ माने जाने वाले पय्यानूर, कल्लियासेरी और थलासेरी में वामपंथी उम्मीदवार 5,000 से 6,000 वोटों के अंतर से आगे हैं।

मतगणना की प्रक्रिया

राज्य के सभी 140 निर्वाचन क्षेत्रों में डाक मतपत्रों (Postal Ballots) के बाद अब श्रृङ्खलाकी गिनती तेजी से चल रही है। चुनाव आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर हर राउंड के नतीजे रियल-टाइम में अपडेट किए जा रहे हैं।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष पत्रकारिता की वैश्विक चुनौतिया

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष 3 मई को मनाया जाता है और यह दिन लोकतंत्र की उस मूल भावना को उजागर करता है, जिसमें नागरिकों को स्वतंत्र रूप से जानकारी प्राप्त करने और अपनी बात रखने का अधिकार होता है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिवस 1991 के विंडहोक घोषणा पत्र से प्रेरित है, जिसने स्वतंत्र और बहुलतावादी मीडिया की आवश्यकता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। आज जब हम 2026 के वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टि डालते हैं, तो प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक और डरावनी प्रतीत होती है। वैश्विक सूचकांक के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि दुनिया के 180 देशों में से आधे से अधिक देशों में प्रेस की स्थिति या तो बहुत कठिन है या फिर बेहद गंभीर श्रेणी में जा चुकी है। यह जानकर हृदय कांप उठता है कि विश्व की 1 प्रतिशत से भी कम आबादी आज उन क्षेत्रों में निवास कर रही है जहाँ प्रेस को वास्तव में स्वतंत्र और सुरक्षित माना जा सकता है। पिछले 25 वर्षों का इतिहास गवाह है कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर दबाव निरंतर बढ़ा है और पत्रकारों के काम करने की गुंजाइश संकुचित हुई है। पत्रकारिता आज एक ऐसा पेशा बन गया है जहाँ सच बोलने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। वर्ष 2025 के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 129 पत्रकारों और मीडिया कर्मियों की निर्मम हत्या कर दी गई, जो अब तक का सबसे बड़ा और विचलित करने वाला आंकड़ा है। यह संख्या केवल एक डेटा नहीं है, बल्कि उन आवाजों की खामोशी है जो समाज की विसंगतियों पर प्रहार कर रही थीं। सन 2000 से लेकर अब तक लगभग 1795 पत्रकारों ने अपने कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्यौछावर किए हैं, जो इस पेशे के बढ़ते जोखिमों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

हिंसा के साथ-साथ कानूनी उत्पीड़न भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मार्ग में एक बड़ी बाधा बनकर उभरा है। 2026 के आंकड़ों के अनुसार विश्व भर की जेलों में लगभग 330 पत्रकार बंद हैं, जिनमें से 61 प्रतिशत पत्रकारों पर राष्ट्रविरोधी होने या देश की सुरक्षा को खतरे में डालने जैसे संगीन आरोप मढ़े गए हैं। विडंबना यह है कि जिन कानूनों का निर्माण राष्ट्र की सुरक्षा के लिए किया गया था, उनका उपयोग अक्सर उन लोगों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है जो सत्ता की खामियों को उजागर करने का साहस करते हैं। पत्रकारिता को अपराध की तरह देखे जाने की यह प्रवृत्ति किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। इससे भी अधिक चिंता का विषय वह न्यायहीनता है जो पत्रकारों के खिलाफ होने वाले अपराधों में व्याप्त है। एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार पत्रकारों की हत्या के लगभग 86 प्रतिशत मामलों में अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती। यह न्याय की विफलता न केवल अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है बल्कि क्षेत्र में कार्यरत अन्य पत्रकारों के मन में भी भय का संचार करती है। जब सच के पहरेदारों को लगने लगता है कि उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है और उनके हत्यारे खुलेआम घूम सकते हैं, तो वे आत्म-सेंसरशिप का रास्ता चुनने को मजबूर हो जाते हैं, जो अंततः लोकतंत्र की मृत्यु की शुरुआत होती है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर केवल भौतिक हमला ही एकमात्र खतरा नहीं है, बल्कि आज के दौर में इसके स्वरूप बदल गए हैं। कई देशों में मानहानि और आतंकवाद विरोधी कानूनों का दुरुपयोग एक सुनियोजित हथियार की तरह किया जा रहा है। इसके साथ ही आर्थिक दबावों के जरिए मीडिया संस्थानों की रीढ़ तोड़ने का प्रयास किया जाता है। विज्ञापन और वित्तीय संसाधनों के वितरण में पक्षपात करके उन संस्थानों को पुरस्कृत किया जाता है जो सत्ता के सुर में सुर मिलाते हैं, जबकि आलोचनात्मक रुख अपनाने वाले संस्थानों को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया जाता है। इस बदलती दुनिया में डिजिटल युग ने जहाँ सूचना के प्रसार को पंख दिए हैं, वहीं पत्रकारों के लिए नई और जटिल चुनौतियां भी पैदा की हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दुष्प्रचार और गलत जानकारियों का जाल इतनी तेजी से फैलता है कि तथ्य और झूठ के बीच का अंतर मिटने लगता है। इसके साथ ही ऑनलाइन ट्रोलिंग, साइबर हमले और अवैध डिजिटल निगरानी ने पत्रकारों के निजी और पेशेवर जीवन को असुरक्षित बना दिया है। विशेष रूप से महिला पत्रकारों को ऑनलाइन माध्यमों पर जिस तरह के अपमान और धमकियों का सामना करना पड़ता है, वह अत्यंत निंदनीय है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू पर्यावरण से जुड़ी रिपोर्टिंग का है, जो आज के समय में सबसे जोखिम भरे क्षेत्रों में से एक बन चुका है। पिछले 15 वर्षों में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से जुड़ी खबरें कवर करने वाले कम से कम 749 पत्रकारों पर जानलेवा हमले हुए हैं। 2019 से 2023 के बीच इस तरह के हमलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो यह दर्शाता है कि जब पत्रकार भू-माफियाओं, अवैध खनन और कॉर्पोरेट जगत के भ्रष्टाचार पर कलम चलाते हैं, तो उन्हें कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यूनेस्को और द गार्जियन जैसी संस्थाओं की रिपोर्टें इस भयावह वास्तविकता की पुष्टि करती हैं। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में उस सच को सुनने के लिए तैयार हैं जो हमारे अस्तित्व और प्रकृति की रक्षा से जुड़ा है। प्रेस की स्वतंत्रता का मुद्दा केवल मीडिया घरानों या पत्रकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है। एक स्वतंत्र मीडिया भ्रष्टाचार की परतों को खोलता है, सरकारी नीतियों की निष्पक्ष समीक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि जनता को सही और सटीक जानकारी मिले ताकि वे एक जागरूक नागरिक के रूप में अपने निर्णय ले सकें। इसके विपरीत जब मीडिया को सरकारी या कॉर्पोरेट नियंत्रण में ले लिया जाता है, तो जनता तक केवल वही सूचनाएं पहुँचती हैं जो एक खास एजेंडे को पुष्ट करती हैं। इससे समाज में भ्रम और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है।

वाशिंगटन पोस्ट और स्टेटिस्टा जैसे मंचों से प्राप्त डेटा यह संकेत देता है कि प्रेस की आजादी में गिरावट का प्रभाव केवल कुछ विशिष्ट देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है। भारत सहित दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों में भी प्रेस स्वतंत्रता के सूचकांक में गिरावट देखी गई है। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि लोकतांत्रिक संस्थानों के भीतर असहमति के स्वरों के प्रति सहिष्णुता कम होती जा रही है। प्रेस की स्वतंत्रता दरअसल लोकतंत्र का वह दर्पण है जिसमें समाज अपनी असलियत देखता है। यदि इस दर्पण पर धूल जमा दी जाए या इसे धुंधला कर दिया जाए, तो समाज अपनी कमजोरियों को कभी सुधार नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम उन साहसी पत्रकारों को श्रद्धांजलि दें जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान देकर सच की मशाल को जलाए रखा। यह दिन सरकारों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे प्रेस की आजादी के प्रति अपनी संवैधानिक और नैतिक प्रतिबद्धताओं को फिर से परिभाषित करें। यह आवश्यक है कि ऐसी नीतियां बनाई जाएं जो पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और न्याय प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पत्रकारों के खिलाफ अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति कानून की पकड़ से बाहर न रहे।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना किसी एक समूह का दायित्व नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि यदि आज हम पत्रकारों की आवाज दबाने वाली शक्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होंगे, तो भविष्य में हमारी अपनी आवाज भी छीन ली जाएगी। लोकतंत्र की जीवंतता के लिए यह अनिवार्य है कि प्रेस बिना किसी डर या प्रलोभन के अपना कार्य कर सके। जब तक दुनिया में एक भी पत्रकार को सच बोलने के लिए जेल भेजा जाएगा या उसकी हत्या की जाएगी, तब तक हमारा लोकतंत्र अधूरा रहेगा। प्रेस की आजादी की मशाल को प्रज्वलित रखना ही इस दिवस की सार्थकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक ऐसे समाज में सांस ले सकें जहाँ सूचना पर किसी का एकाधिकार न हो और सच बोलने का साहस करने वालों को सम्मान मिले, न कि सजा।

महेन्द्र तिवारी

न्यायपालिका में बढ़ता मुकदमों का बोझ: न्याय में देरी, अन्याय से कम नहीं

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

भारत की न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है, लेकिन आज यह खुद भारी बोझ तले दबी हुई है। मुकदमों का अंबार लगा है और लोगों को तारीख पर तारीख मिल रही है। ऐसा नहीं है कि इसे पटरी पर नहीं लाया जा सके लेकिन बिना प्रयास किए ऐसा संभव नहीं है। इसमें कई कारण हैं जिनको यदि ठीक कर दिया जाए तो व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है। हालात इतने गंभीर हैं कि लोगों को न्याय मिलने में उनकी पूरी जिंदगी निकल जाती है। विचाराधीन आंकड़ों पर नजर डालें तो अप्रैल 2026 तक, भारत की अदालतों में 5 करोड़ से ज्यादा केस लंबित हैं। इनमें से 70% से अधिक केस जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में हैं।

यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं। जबकि लॉ कमीशन की 1987 की सिफारिश 50 जज प्रति 10 लाख की थी। विकसित देशों में यह आंकड़ा 50-150 तक है। जजों की संख्या आधी से भी कम है, और यही कारण है कि हमें न्याय मिलने में देरी पर देरी होती रहती है और विचाराधीन मामलों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। एक सिविल केस निपटाने में औसतन 10 साल से ज्यादा लग जाते हैं। कई फौजदारी केस 15-20 साल तक खिंचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 34 स्वीकृत पदों में से अक्सर 2-4 खाली रहते हैं। हाई कोर्ट में 25% और जिला अदालतों में 20% से ज्यादा पद खाली हैं। भर्ती प्रक्रिया बहुत धीमी है। कई निचली अदालतों में कोर्ट रूम, स्टाफ और तकनीक की भारी कमी है। ए आई के जमाने में जहां दुनियां नई नई तकनीक पर निर्भर हो रही है वहीं भारत में 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक 20% कोर्ट रूम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा तक नहीं थी। हम वर्षो से देखते आ रहे हैं कि करीब 50% केसों में सरकार खुद एक पक्ष है। जमीन अधिग्रहण, सर्विस मैटर, टैक्स विवाद में सरकारी अपीलें सबसे ज्यादा हैं। कई बार हार तय होने पर भी अपील की जाती है। CPC, CrPC जैसी प्रक्रियाएं जटिल हैं। वकील तारीख लेने को रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। एक गवाह के बयान में ही कई-कई तारीख लग जाती हैं। निचली अदालतों में सजा की दर कम है, इसलिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपीलों का बोझ बढ़ता जाता है। सही मायने में न्याय में देरी भी अन्याय से कम नहीं है। जब पीड़ित को 20 साल बाद इंसाफ मिले तो उसका क्या मतलब ही क्या रह जाता है। हमारी जेलें भी भरी हुई हैं उसका मुख्य कारण है कि जेलों में 75% से ज्यादा कैदी अंडरट्रायल हैं। यानी दोषी साबित होने से पहले ही सालों जेल काट रहे हैं। मुकदमों में फंसे होने से व्यापार, निवेश और प्रोजेक्ट रुकते हैं। जब सिस्टम से उम्मीद टूटती है तो लोग कोर्ट से बाहर समझौता या दबंगई का सहारा लेते हैं।

इसलिए हमें इसके समाधान की राह पकड़नी होगी। लॉ कमीशन की सिफारिश माने बिना काम नहीं चलेगा। ऑल इंडिया ज्यूडिशियल सर्विस शुरू करना एक विकल्प है। ई-कोर्ट, वर्चुअल हियरिंग, ए आई तकनीकी से केस छांटना। कोविड के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से काफी केस निपटे, इसे स्थायी करना होगा। मीडिएशन, लोक अदालत, आर्बिट्रेशन को बढ़ावा देना होगा जिससे छोटे केस अदालत पहुंचे ही नहीं। जिससे मुकदमों का बोझ बढ़ने से बचा जा सके। फास्ट ट्रैक कोर्ट का स्तेमाल हमें ज्यादा से ज्यादा करना होगा। महिला, बच्चे, सीनियर सिटिजन और जघन्य अपराधों के लिए विशेष कोर्ट और समय सीमा तय हो। मुकदमों का बोझ सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। हर लंबित फाइल के पीछे एक इंसान, एक परिवार और उम्मीदें खड़ी हैं। न्यायपालिका को जज, बजट और तकनीक - तीनों चाहिए। साथ ही वकीलों, सरकार और नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वरना देर से मिला न्याय, न्याय नहीं रह जाता।

(मेक इन इंडिया) स्वावलंबन एवं स्व-रोजगार बेहतर विकल्प

[युवा ऊर्जा से राष्ट्र का विकास संभव।]

आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में लड्डू प्रसाद के लिए घी खरीद में सामने आया कथित घोटाला केवल एक प्रशासनिक अनियमितता का मामला नहीं है बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता और सार्वजनिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होता बल्कि वह विश्वास, परंपरा और भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र होता है। ऐसे में जब प्रसाद जैसी पवित्र मानी जाने वाली वस्तु में मिलावट की आशंका सामने आती है तो उसका असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आस्था की नींव को भी हिला देता है

जांच समिति की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि लगभग सत्तर लाख किलोग्राम घी बिना अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण के खरीदा गया और कई मामलों में लैब रिपोर्ट आने से पहले ही उसका उपयोग प्रसाद बनाने में कर लिया गया। यह स्थिति किसी एक स्तर की चूक नहीं बल्कि एक पूरी व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है जिसमें नियमों की अनदेखी, निगरानी की कमी और संभावित मिलीभगत शामिल हो सकती है। जब किसी धार्मिक संस्था में इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री का उपयोग हो रहा हो तो उसके हर चरण पर सख्त नियंत्रण और पारदर्शिता अपेक्षित होती है

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अगस्त 2022 की लैब जांच में सैंपलों में सिटोस्टेरॉल की मौजूदगी पाई गई जो वनस्पति तेल की मिलावट का संकेत माना जाता है। इसके बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई और सप्लायर्स को ब्लैकलिस्ट करने जैसे कदम नहीं उठाए गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मिलावट के संकेत स्पष्ट थे तो जिम्मेदार अधिकारियों ने तत्काल कदम क्यों नहीं उठाए। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं न कहीं प्रणाली में गंभीर खामियां या जानबूझकर की गई लापरवाही मौजूद थी

खरीद प्रक्रिया में भी कई ऐसी बातें सामने आई जो चिंता बढ़ाती हैं। असामान्य रूप से कम बोली स्वीकार करना, नीलामी के बाद अनौपचारिक बातचीत के जरिए कीमत कम करने की अनुमति देना और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करना यह दर्शाता है कि आर्थिक लाभ को प्राथमिकता दी गई जबकि गुणवत्ता और सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया। शुद्ध घी की कीमत और बाजार की वास्तविकता को देखते हुए अत्यधिक कम कीमत पर सप्लाई होना अपने आप में संदेह पैदा करता है

इस पूरे मामले में एक संगठित नेटवर्क के काम करने की आशंका भी जताई गई है जिसमें सप्लायर, बिचौलिये और कुछ संस्थागत तत्व शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक प्रमुख सप्लायर ने वनस्पति तेल और अन्य एडिटिव्स का उपयोग कर मिलावटी घी तैयार किया और अयोग्य घोषित होने के बाद भी वह अन्य माध्यमों से सप्लाई जारी रखने में सफल रहा। यह स्थिति दर्शाती है कि निगरानी प्रणाली में गंभीर कमजोरियां थीं और नियमों को लागू करने में इच्छाशक्ति की कमी थी

पूर्व अधिकारियों और खरीद समिति की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाए गए हैं कि टेंडर नियमों को कमजोर किया गया और मिलावट की पुष्टि के बावजूद सख्त कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि संबंधित पक्षों का कहना है कि सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए और नियमों के तहत ही प्रक्रिया अपनाई गई। यह विवाद अपने आप में इस बात का संकेत है कि पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्पष्टता का अभाव था

यह मुद्दा केवल एक राज्य या एक मंदिर तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश के धार्मिक संस्थानों के लिए एक चेतावनी है। भारत में मंदिरों में प्रसाद वितरण की परंपरा बहुत पुरानी है और यह श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती है। ऐसे में यदि कहीं भी गुणवत्ता से समझौता होता है तो उसका प्रभाव व्यापक स्तर पर पड़ता है

पहले भी कुछ मामलों में प्रसाद या भोग की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ चुके हैं। उदाहरण के तौर पर उत्तर भारत के कुछ मंदिरों में समय समय पर नकली घी या निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री के उपयोग की शिकायतें सामने आई हैं जिनमें स्थानीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की गई। हालांकि ये मामले इतने बड़े पैमाने पर नहीं थे लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दिया कि धार्मिक संस्थानों में भी गुणवत्ता नियंत्रण की मजबूत व्यवस्था की आवश्यकता है।

इस तरह की घटनाएं यह भी दर्शाती हैं कि केवल धार्मिक आस्था के भरोसे व्यवस्था को नहीं छोड़ा जा सकता। आधुनिक समय में जब आपूर्ति श्रृंखला जटिल हो गई है और बड़े स्तर पर सामग्री की खरीद होती है तो वैज्ञानिक परीक्षण, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र ऑडिट जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य हो जाती हैं। यदि इन प्रक्रियाओं को सही ढंग से लागू किया जाए तो मिलावट जैसी समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है

सरकार और संबंधित संस्थाओं के लिए यह जरूरी है कि वे इस मामले को केवल एक आरोप या राजनीतिक विवाद के रूप में न देखें बल्कि इसे एक सुधार के अवसर के रूप में लें। यदि जांच में दोष सिद्ध होते हैं तो जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने, गुणवत्ता परीक्षण को अनिवार्य और समयबद्ध करने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

श्रद्धालुओं के दृष्टिकोण से यह घटना बेहद संवेदनशील है। मंदिर में मिलने वाला प्रसाद केवल भोजन नहीं बल्कि आशीर्वाद का प्रतीक होता है। लोग इसे श्रद्धा के साथ ग्रहण करते हैं और इसे पवित्र मानते हैं। ऐसे में यदि उसमें मिलावट की बात सामने आती है तो यह विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है। विश्वास एक बार टूट जाए तो उसे पुनः स्थापित करना बेहद कठिन होता है

इस पूरे प्रकरण से एक महत्वपूर्ण सीख यह मिलती है कि धार्मिक संस्थानों में भी पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों का समावेश आवश्यक है। केवल परंपरा के आधार पर व्यवस्था को चलाना अब पर्याप्त नहीं है। बदलते समय के साथ संस्थानों को भी अपने कामकाज में सुधार लाना होगा ताकि वे श्रद्धालुओं के विश्वास पर खरे उतर सकें। यह मामला केवल घी की गुणवत्ता या खरीद प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न से जुड़ा है कि क्या हम अपनी आस्था से जुड़े संस्थानों में भी उतनी ही सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित कर पा रहे हैं जितनी अन्य सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित होती है। यदि इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है तो यह समय है। कि हम इससे सीख लें और आवश्यक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाएं ताकि भविष्य में आस्था और विश्वास दोनों सुरक्षित रह सकें।

संजीव ठाकुर

बढ़ती महंगाई से बेहाल आम जनजीवन को राहत की आस

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के प्रभाव से आज पूरी दुनिया महंगाई की मार झेल रही है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, जिसका सीधा असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ा है। भारत, जो अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है, स्वाभाविक रूप से इस संकट से प्रभावित हुआ है। भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि देश की बड़ी आबादी आज भी सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों पर निर्भर है। ऐसे में महंगाई का सीधा असर आम आदमी, विशेषकर मध्यम और गरीब वर्ग के जीवन पर पड़ता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे खाद्य पदार्थों से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक सब कुछ महंगा हो जाता है। खाड़ी क्षेत्र, जहां से विश्व के अधिकांश देशों में तेल और गैस की आपूर्ति होती है, लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र रहा है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में, खासकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और गहराएगा, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। हाल ही में भारत में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों और छोटे (5 किलोग्राम) गैस सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। होटल, ढाबा और छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए यह अतिरिक्त बोझ है, जिसे वे अंततः उपभोक्ताओं पर डालने को मजबूर होंगे। इसका असर उन लाखों छात्रों और श्रमिकों पर पड़ेगा, जो सस्ते भोजन और सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं। यह सही है कि वैश्विक कारणों से उत्पन्न महंगाई को पूरी तरह नियंत्रित करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब देश की बड़ी आबादी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर निर्भर हो। इसके बावजूद सरकार ने अब तक आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने और महंगाई के प्रभाव को सीमित करने के प्रयास किए हैं, जो सराहनीय हैं। हालांकि, राजनीतिक परिदृश्य में अक्सर महंगाई जैसे मुद्दों का उपयोग आरोप-प्रत्यारोप के लिए किया जाता है। इससे न केवल जनता भ्रमित होती है, बल्कि वास्तविक समाधान पर ध्यान भी कम हो जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि सभी पक्ष मिलकर रचनात्मक सुझाव दें और देशहित में काम करें। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार को संतुलित नीति अपनानी होगी। आवश्यक वस्तुओं–जैसे खाद्यान्न और ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए राहत उपाय किए जा सकते हैं, वहीं विलासिता की वस्तुओं पर कर बढ़ाकर राजस्व संतुलन बनाया जा सकता है। इससे आम जनता को राहत मिलेगी और आर्थिक संतुलन भी बना रहेगा। अतीत में देखा गया है कि महंगाई, विशेषकर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, सरकारों के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन जाती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार समय रहते प्रभावी कदम उठाए, ताकि बढ़ती महंगाई से जूझ रहे आम, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिल सके। अंततः, देश की जनता को उम्मीद है कि सरकार उनके जीवन से जुड़े आवश्यक खर्चों को नियंत्रित रखने के लिए ठोस और संवेदनशील कदम उठाएगी, ताकि महंगाई की मार से राहत मिल सके और जनजीवन संतुलित रह सके। **अरविंद रावल**

कविता

संजीव-नी

सुकून का नन्हा सा द्वार।

आशाएँ कभी शोर नहीं करतीं,
वे धीरे से आंगन पर उतरती है
धूप का एक छोटा सा बिम्ब
कमरे में बिना ब कहे पसर जाता।

उदासी का अपना एक पहलू,
गहरी बिना चंदा की निशा,
उसी में कहीं
बहुत हल्का सा उजाला
शायद वही आशा है
जो हार नहीं मानता।

खुशियों के पल
बहुत विशाल नहीं
वे इतने छोटे होते
अक्सर हमारे पास
और हम उन्हें ढूँढ़ते
किसी दूर आकाश में।

कभी एक मुस्कान
पूरी थकान उड़ा देती,
एक शब्द
मन के बर्फ को पिघलाते।

तमस हटता नहीं एकबारगी
वह थोड़ा-थोड़ा पीछे जाता,
जैसे कोई संकोची बच्चा
भीड़ को दूर से निहारता।

और तब
हम महसूस करते
जिंदगी उतनी उदास नहीं

जितना हमने मान लिया,
उसमें कुछ उजाले पहले से
आँखें बंद किए मौजूद हैं।

आशाएँ
दरअसल दरवाज़ा नहीं खोलतीं,
वे बस इतना करती
हमें याद दिलाती
यह सुकुन का नन्हा द्वार।

संजीव ठाकुर

लड्डू प्रसाद में मिलावट का सच: आस्था, व्यवस्था और जवाबदेही पर गहरा सवाल

स्वयं की क्षमता, शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानना आज के नव युवकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वयं के विकास से तात्पर्य खुद के लिए अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार की तलाश राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण योगदान भी हो सकता है। भारत की विशाल आबादी के हिसाब से भारत नौजवानों का देश है और भारत सरकार के लिए इतने युवा लोगों के लिए नौकरी उपलब्ध कराना संभव भी नहीं है कि सभी युवकों के लिए समुचित नौकरी का प्रबंध या इंतजाम कर सके। ऐसे में पढ़े-लिखे नौजवानों का यह महती दायित्व बन जाता है कि वह स्वयं की क्षमता को पहचान कर मेक इन इंडिया या स्वावलंबी होने का भरसक प्रयास करें। स्वयं की क्षमता को पहचानने वाला व्यक्ति समाज में एक आदर्श बनकर उभरता है और उसकी प्रसिद्धि समाज में स्वयं हो जाती है। युवक स्वयं का रोजगार बनाकर न सिर्फ खुद की बेरोजगारी दूर करता है, बल्कि वह दूसरों के लिए भी रोजगार का साधन बन जाता है। यह राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक समीचीन तथा राष्ट्रीय विकास के लिए एक अच्छे सूचक के रूप में सामने आता है। स्वयं अपनी क्षमताओं को पहचानना एवं अपने अंदर के उद्यमी को रोजगार के लिए उपयोग में लाना मनुष्य का एक तरह का अलंकार या आभूषण ही है जो मनुष्य के लिए सुखी होने का बड़ा स्रोत है। वैसे भी नौकरी करके युवा एक तरह से परतंत्र, पराधीन हो जाता है और अपनी क्षमताओं का खुलकर प्रयोग नहीं कर पाता यही कारण है कि राष्ट्र के समग्र विकास में उसकी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।राष्ट्रीय योजना मेक इन इंडिया के अंतर्गत आव्हान किया गया है कि नौजवानों को अपनी शिक्षा,तकनीकी शिक्षा एवं स्किल का उपयोग कर भारत देश के लिए हर तरह के आवश्यक वस्तुओं का स्वयं निर्माण करें एवं दूसरे नौजवानों के लिए आदर्श स्थापित करें जिससे संपूर्ण देश स्वावलंबी बने। स्वयं की क्षमताओं को पहचानने वाला व्यक्ति स्वतंत्र ,स्वाभिमानी होकर स्वयं पर पूर्ण विश्वास करने वाला आत्मविश्वासी व्यक्ति होता है। ऐसे में भविष्य में राहों में जितनी भी मुश्किल है या कठिनाई आती है उसका वह अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने से नहीं चूकता है। अपनी क्षमताओं को पहचानने के कारण व्यक्ति अत्यंत सरल, सहज एवं आत्मविश्वासी होकर दूसरों की मदद करने से भी पीछे नहीं हटता। स्वयं का रोजगार तलाशने या अपने लिए कोई उद्यम बनाने में युवाओं में जो ज्ञान प्राप्त होता है फल स्वरूप वह युवा अत्यंत त्यागी तथा समाज के लिए सेवा भाव भी रखने वाला होता है। स्वावलंबन से दूसरों पर निर्भर होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती एवं अपने ही ज्ञान तथा क्षमता से वह उन्नति के सोपान चढ़ते जाता है, एवं राष्ट्र के लिए एक धरोहर की तरह होता है। खुद की क्षमता पहचान कर अपना उद्यम डालने से न सिर्फ समाज में विकास होता बल्कि देश में भी विकास के योगदान में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होता है।

ऐतिहासिक तौर पर भी खुद की क्षमता पहचानने एवं अपनी उर्जा को सही दिशा में लगाने के कारण बड़े-बड़े महापुरुषों का जन्म हुआ है। जितने भी बड़े महापुरुष हुए हैं, वे पैदाइशी महापुरुष नहीं थे उन्होंने अपनी क्षमता, शक्ति एवं ज्ञान को पहचान कर उसमें समुचित एवं निरंतर परिश्रम कर एक नए मुकाम को हासिल किया था और तब ही वे महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हुए हैं। पौराणिक तौर पर प्रभु श्री राम ने वन गमन कर रावण का वध किया और एक धार्मिक इतिहास बनाया। अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे सही दिशा देने का सबसे बड़ा उदाहरण एकलव्य है जिसने जंगल में धनुर्विद्या लगातार अभ्यास करके अर्जुन की तरह बहुत बड़े धनुर्विद्या के शूरवीर बने। कोलंबस ने भी अपनी शक्ति क्षमता को पहचानते अमेरिका की खोज की और गरीब मां बाप की संतान अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिका का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। राइट ब्रदर्स ने अपने ज्ञान का समुचित विकास एवं उपयोग कर हवाई जहाज की खोज की।

खुद की शक्ति एवं ऊर्जा के विकास और स्वावलंबन का सबसे बड़े उदाहरण महात्मा गांधी रहे जिन्होंने ना सिर्फ अपनी क्षमता को पहचाना बल्कि पूरे हिंदुस्तानियों को दिशा दिखा कर स्वतंत्रता का आह्वान कर स्वाधीनता प्राप्त की और महात्मा गांधी के रूप में भारत में स्थापित हुए। खुद की क्षमता एवं शक्ति को पहचानने से व्यक्ति भी महानता की श्रेणी में खड़ा होकर देश के विकास में एक बड़ा सोपान अर्जित करता है। इससे सिर्फ व्यक्ति ही महान नहीं बनता बल्कि देश को भी महान बनाने में उसका योगदान बहुत ज्यादा तथा महत्वपूर्ण होता है। मनुष्य अपनी क्षमताओं को वैसे तो आसानी से पहचान नहीं पाता है लेकिन यदि वह अपनी अंतर शक्ति, विशेषताओं को किसी भी उम्र में भी पहचान कर उसका देश के लिए समुचित उपयोग कर सकता है इसीलिए मेक इन इंडिया के लिए युवकों को अपनी क्षमताओं शक्ति तथा ऊर्जा को पहचान कर नए नए उद्यम लगाकर देश के विकास में सहयोग करना चाहिए। यह एक सकारात्मक चरित्र विकास की प्रथम पंक्ति होती है। इससे मनुष्य में और खासकर युवा वर्ग में निर्भीकता,कठोर श्रम करने की शक्ति एवं संयम जैसी विशेषताओं का प्रादुर्भाव होता है। व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में चार चांद लग जाते हैं। उन्नत शिक्षित परिश्रमी एवं सदाचारी युवाओं से ही कोई राष्ट्र महानता की श्रेणी में पहुंच जाता है।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कपड़ा व्यापारी से मारपीट करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के तौधकपुर उर्फ मिर्जापुर गांव निवासी कपड़ा व्यापारी वेद प्रकाश त्रिवेदी से मारपीट करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दर्शन गत 30 अप्रैल की देर रात को गांव निवासी वेद प्रकाश त्रिवेदी अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे तभी गांव के ही निकट गांव निवासी अनुज त्रिवेदी उर्फ बच्चा अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की थी। इससे उन्हें गंभीर चोटे आ गई थी। उन्हें इलाज के लिए सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया था। घायल व्यापारी के बेटे प्रशांत ने छह लोगो के विरुद्ध मारपीट और लूट की तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया था। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मारपीट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित और आरोपी के बीच पुराने मकान की खरीद फरोख्त लेकर विवाद था। इसी को लेकर पीड़ित के साथ मारपीट की गई। जांच में लूट की घटना असत्य पाई गई।

जिलाधिकारी ने राजकीय पॉलिटेक्निक गोपालपुर का किया निरीक्षण

रायबरेली- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय पॉलिटेक्निक गोपालपुर सलोन का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने चल रही कक्षाओं का अवलोकन किया। तदोपरांत पठन-पाठन ,पुस्तकालय, छात्रावास, खानपान, प्रयोगशाला व सुरक्षा आदि संबंधी मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अध्ययनरत विद्यार्थियों से शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने संस्थान परिसर का भ्रमण कर गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचार्य कार्यालय में समस्त स्टाफ से छात्राओं को संस्थान द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी लेते हुए स्टाफ की उपस्थिति रजिस्टर का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल-कूद मैदान सहित पूरे परिसर में साफ सफाई नियमित रूप से कराई जाए। निरीक्षण के समय उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार, तहसीलदार सलोन दीपिका सिंह उपस्थित रहीं।

यूपी में 381 ट्रेनिंग पार्टनर को कौशल विकास मिशन से किया गया बाहर, शून्य प्रगति पर हुई सख्त कार्रवाई

लखनऊ। कौशल विकास मिशन ने 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण देने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। मिशन से जुड़े 381 प्रशिक्षण प्रदाताओं (ट्रेनिंग पार्टनर) को डी-इम्पैनल कर दिया गया है। इनमें निजी, औद्योगिक और स्टार्टअप श्रेणी के संस्थान शामिल हैं। मिशन के तहत हर वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षण प्रदाताओं को उनके अनुरोध के आधार पर लक्ष्य आवंटित किए जाते हैं और उन्हें निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए जाते हैं। लेकिन हाल ही में आयोजित वर्चुअल समीक्षा बैठकों में पाया गया कि कई प्रशिक्षण प्रदाताओं की प्रगति शून्य रही। विशेष रूप से 'प्रोजेक्ट प्रवीण' और राज्य कौशल विकास निधि के अंतर्गत संचालित योजनाओं में भी इन संस्थाओं का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। इन प्रशिक्षण प्रदाताओं को कई बार नोटिस जारी किए गए और जिला स्तर से पत्राचार कर सुधार का अवसर भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। समीक्षा में यह भी सामने आया कि कुछ संस्थान पिछले तीन वर्षों से पूरी तरह निष्क्रिय हैं और वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी अपने प्रशिक्षण केंद्र सक्रिय रखने की स्थिति में नहीं हैं। इसी आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में शून्य प्रगति वाले, लंबे समय से निष्क्रिय और आगे भी संचालन में असमर्थ पाए गए कुल 381 प्रशिक्षण प्रदाताओं को मिशन से बाहर कर दिया गया है। इनमें कई स्टार्टअप भी शामिल हैं। मिशन निदेशक पुलकित खरे के अनुसार इन संस्थाओं को स्थायी रूप से पैनल से हटाया गया है और भविष्य में इन्हें किसी भी कौशल विकास कार्यक्रम से नहीं जोड़ा जाएगा।

ख़बर का बड़ा असर: बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में शुरू हुआ सफ़ाई अभियान, हरकत में आए जिम्मेदार

● .....बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश, प्राथमिक विद्यालय बना जंगल' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी ख़बर'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र प्रभात
22 Apr 2026 - Page 3
बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश, प्राथमिक विद्यालय बना जंगल
स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिराहिमपुर में हाल ही में ग्रामीणों द्वारा साफ़-सफ़ाई न होने को लेकर प्रधान और सचिव पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में लंबे समय से नियमित सफाई नहीं कराई जा रही थी, जिससे जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ था और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए खबर प्रकाशित की गई थी, जिसके बाद अब इसका बड़ा असर देखने को मिला है। खबर सामने आने के बाद जिम्मेदार अधिकारी हरकत में आए और ग्राम पंचायत में सफाई कार्य शुरू करा दिया गया। गांव में सफाईकर्मी सक्रिय रूप से काम करते नजर आए और सड़कों व गलियों में जमा कूड़ा हटाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पहले जहां सफाई को लेकर लापरवाही बरती जा रही थी, वहीं अब नियमित रूप से सफाई होती दिख रही है। इससे गांव में स्वच्छता का माहौल बनने लगा है और लोगों को राहत मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि मीडिया के माध्यम से आवाज उठाने के बाद ही प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान दिया है। अब लोगों को उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह नियमित रूप से साफ-सफाई होती रहेगी और गांव को स्वच्छ रखा जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के गड्ढे में गिरी बाइक, घायल

● गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्घटना/हादसा

लालगंज (रायबरेली)। गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। उमरामऊ गांव के पास गड्ढे में बाइक गिरने से सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। डलमऊ क्षेत्र के पूरे दुबे मजरे बलीपुर गांव निवासी शिव प्रकाश शुक्ला (35) अपने बड़े भाई महेंद्र शुक्ला (40) के साथ बाइक से अपनी रिश्तेदारी जा रहे थे। रास्ते में उमरामऊ गांव के पास सर्विस रोड पर बने गड्ढे में बाइक अनियंत्रित हो गई। दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक चला रहे शिवप्रकाश ने हेलमेट पहन रखा था। झटका लगने पर हेलमेट निकलकर दूर जा गिरा। उनके सिर में गंभीर चोट आई। वहां मौजूद राहगीरों ने फौरन उन्हें यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

उमरामऊ के पास धंसी सड़क बन रही हादसों की वजह, कई लोग हो चुके चोटिल

उमरामऊ गांव के पास सर्विस रोड का हिस्सा धंस गया है। यहां गहरा गड्ढा बन गया है। तेज रफ्तार वाहन अक्सर यहां फंस जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी कई लोग यहां गिरकर घायल हो चुके हैं। दो दिन पहले बाइक पर बैठी एक महिला उछलकर सड़क पर गिर गई थी और गंभीर रूप से घायल हो गई थी। स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते गड्ढे की मरम्मत नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

हनुमत सेवक समिति द्वारा पांच मई को होगा जवाबी कीर्तन का आयोजन

बिसवां/ सीतापुर श्री हनुमत सेवक समिति द्वारा ज्येष्ठ मास के प्रथम मंगलवार 05 मई दिन मंगलवार को रात्रि 7 बजे से शानदार जवाबी कीर्तन का आयोजन बड़ा हनुमान मंदिर, महमूदाबाद रोड बिसवां के विशाल परिसर में किया जा रहा है। इसमें प्रयागराज के प्रसिद्ध कीर्तन कार रणजीत राज एवं मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध कीर्तनकार नीलम विश्वकर्मा के बीच जोरदार जवाबी कीर्तन का रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष संयोजक पवन कुमार मिश्र बबलू ने दी। उन्होंने बताया कि श्री हनुमत सेवक समिति के बैनर के तले निरंतर 29 वां जोरदार जवाबी कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के नामचीन कीर्तन कलाकारों ने अपनी कला का जौहर दिखाया है। यही नहीं कानपुर, लखनऊ, इटौंजा, बहराइच, बाराबंकी, लखीमपुर के कीर्तन प्रेमी यहां बिसवां की धरती पर आकर कीर्तन का श्रवण करते हैं। संयोजक पवन कुमार मिश्र बबलू ने सभी कीर्तन प्रेमियों से बड़ी संख्या में बड़ा हनुमानजी मंदिर महमूदाबाद रोड बिसवां के विशाल परिसर में पहुंच कर कीर्तन का श्रवण करने की अपील की है।

19 वर्षीय युवक लापता, परिजनों ने लगाई मदद की गुहार

मिश्रिख(सीतापुर) के मिश्रिख क्षेत्र से एक 19 वर्षीय युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रघुवरपुर, बीकापुर निवासी ठाकुर प्रसाद का पुत्र पांखू उर्फ लक्की बीते 1 मई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे से अचानक लापता हो गया है। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजनों ने बताया कि लापता युवक का रंग गोरा, कद लगभग 5.2 फीट, चेहरा लंबा है। घटना के समय वह काले रंग की पैंट और क्रीम रंग की शर्ट पहने हुए था। इस संबंध में 2 मई 2026 को थाना मिश्रिख में सूचना दर्ज करा दी गई है। परिवार वाले काफी चिंतित हैं और आसपास के क्षेत्रों में लगातार तलाश कर रहे हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को युवक के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत दिए गए मोबाइल नंबरों पर सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित पुरस्कार देने की भी बात कही गई है।पुलिस भी मामले की जांच में जुटी हुई है और युवक की तलाश के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

दबंगों के आगे पस्त मलिहाबाद पुलिस

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
भ्रष्टाचार

● युवक पर जानलेवा हमले के प्रयास में अब तक कार्रवाई शून्य

●समाधान दिवस पहुँची पीड़िता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना मलिहाबाद अंतर्गत रामपुर बस्ती में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की हत्या के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें स्थानीय पुलिस की घोर लापरवाही और उदासीनता ने न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़िता पल्लवी सिंह ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि बीते 24 अप्रैल 2026 को गाँव के ही दबंग प्रमोद कुमार ने अपनी तेज रफ्तार पल्सर बाइक से उनके पति आदित्य प्रताप सिंह को पीछे से टक्कर मारकर जान से मारने की कोशिश की, लेकिन घटना के अगले ही दिन 25 अप्रैल को थाने में नामजद तहरीर देने के बावजूद मलिहाबाद पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। पुलिस की इसी शिथिलता का लाभ उठाकर अपराधी किस्म का विपक्षी अब अपनी माता के माध्यम से अनुसूचित जाति और महिला होने का कार्ड खेलकर पीड़ित परिवार पर ही झूठे आरोप लगवाकर उन्हें प्रताड़ित कर रहा है। बार-बार गुहार लगाने के बाद भी जब स्थानीय पुलिस ने कोई सुध नहीं ली, तो पीड़िता ने उच्चाधिकारियों की शरण लेकर आरोपी पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने और लापरवाह पुलिसकर्मियों की कार्यशैली की जांच कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है ताकि उसके परिवार को सुरक्षा और न्याय मिल सके।

मलिहाबाद नगर पंचायत में स्वच्छता मिशन फेल

● 15 दिन से नहीं हुई सफाई

PM का वाटर कूलर 2 दिन में खराब होने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ- नगर पंचायत मलिहाबाद में स्वच्छ भारत मिशन के दावों की पोल खुल गई है। सरावां गांव के वार्ड नं-2 में पिछले 15 दिनों से सफाई नहीं हुई है। नालियां कचरे से पट गई हैं और गंदगी के कारण घरों में कीड़े घुस रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई कर्मचारी 15 दिन से गांव नहीं आया। कई बार शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन ग्रामीण खुद ही हाथों से नालियां सफाई किया गंदगी और बदबू से बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। भीषण गर्मी में ग्रामीणों की मुसीबत दोगुनी हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के तहत लगाया गया वाटर कूलर सिर्फ 2 दिन चलने के बाद से खराब हो गया। महीना बीत रहा, लेकिन उसे आज तक ठीक नहीं कराया गया। 45एष्ट की तपिश में लोगों को पीने का साफ ठंडा पानी नहीं मिल रहा।

CM योगी के आदेशों की उड़ रही धज्जियां:

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'हर घर स्वच्छ जल' और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कहते हैं। लेकिन मलिहाबाद नगर पंचायत के अधिकारी उनके आदेशों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। न सफाई हो रही है, न खराब पड़े वाटर कूलर की सुध ली जा रही है।

अधिकारियों का नहीं मिल रहा जवाब:

इस मामले में नगर पंचायत श्वह्न से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई। नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 48 घंटे में सफाई और वाटर कूलर ठीक नहीं हुआ तो वे नगर पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें:

1. वार्ड-2 में तुरंत सफाई अभियान चलाया जाए।

2. खराब वाटर कू नलर 24 घंटे में ठीक हो।

3.लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने की आत्महत्या

निगोहां। नगराम थाना क्षेत्र के अमेठियन पुरवा गांव में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 28 वर्षीय युवक ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव निवासी अशोक सिंह के पुत्र प्रशांत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रशांत ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता अशोक सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को उसकी पत्नी ममता सिंह उर्फ रूचि, उसकी दो बहनों रूबी सिंह व बब्बी सिंह, तथा ससुर राजकरन सिंह और सास श्याम कुमारी सिंह द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।उन्होंने इस संबंध में थाना नगराम में तहरीर देकर सभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चा बदलने' की अफवाह से सीएचसी में हड़कंप

● दो प्रसूताओं के परिजन भिड़े, स्टाफ ने कराया मामला शांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के महिला वार्ड में शनिवार को अचानक हड़कंप मच गया। बच्चा बदलने की आशंका को लेकर दो प्रसूताओं के परिजन आपस में भिड़ गए। वार्ड में देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा। दरअसल लालूमऊ गांव निवासी शिमला पत्नी दीपू को प्रसव पीड़ा होने पर सुबह करीब 10 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पूरे राना मजरे त्रिवेदिन का पुरवा जनता बाजार निवासिनी विनीता पत्नी दिनेश को भी करीब 11 बजे भर्ती किया गया। दोपहर करीब 1:30 बजे दोनों महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। इसी दौरान विवाद की स्थिति बन गई। विनीता के परिजनों का आरोप था कि प्रसव के बाद उन्हें बेटा हुआ था जबकि स्टाफ ने उन्हें बेटी होने की जानकारी दी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों प्रसूताओं के परिजन आपस में उलझ पड़े। बात डीएनए टेस्ट तक पहुँच गई। जच्चा बच्चा वार्ड में मौजूद अन्य मरीजों और तीमारदारों में भी डर और भ्रम की स्थिति बन गई। हंगामे की सूचना मिलते ही स्टाफ नर्स और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल स्थिति को संभाला और दोनों पक्षों को शांत कराया। चिकित्सीय स्टाफ ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अदला बदली नहीं हुई है। चिकित्सीय स्टाफ ने देर तक काउंसलिंग करने के बाद दोनों परिवारों को संतुष्ट किया गया। काफी समझाने-लिए बुझाने के बाद दोनों पक्षों के परिजन मान गए और विवाद शांत हुआ। हालांकि, घटना के बाद काफी देर तक महिला वार्ड में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। सीएचसी अधीक्षक का कहना है कि दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई। कहा कि इस तरह की अफवाहों से बचना चाहिए। सभी प्रसव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जाती है। किसी भी शंका की स्थिति में तत्काल स्टाफ से संपर्क करना चाहिए।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

ट्रेन आते ही पटरी पर लेट गया ऑटो ड्राइवर,मौत

● पत्नी से विवाद के बाद उठाया कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे स्थित पानी की टंकी के पास रविवार तड़के 22 वर्षीय आटो चालक आलोक कुमार ट्रेन आते ही पटरी पर लेट गया। लोको पाटलट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और परिवारजन को मामले की जानकारी दी। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मूल रूप से सीतापुर के अटरिया गांव निवासी आलोक कुमार गोमतीनगर रेलवे लाइन के पास परिवारजन के साथ रहता था और आटो चलाकर जीविका चलाता था। वह पत्नी और दो बेटों कृष्णा व कृष के साथ पानी की टंकी के पास झोपड़ी में रहता था। परिवारजन के अनुसार, दो-तीन दिन पहले किसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हो गया था, जिसके बाद से वह काफी तनाव में था।

ट्रेन आते देख पटरी पर लेटा

रविवार भोर आलोक शौच के लिए घर से निकला और रेलवे लाइन की ओर चला गया। इसी दौरान जब उसने ट्रेन को आते देखा तो वह पटरी पर लेट गया दी। तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से उसका सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुबह रेलवे लाइन के पास लोगों ने शव देखा तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर स्थानीय लोग और परिवारजन मौके पर पहुंच गए। घटना की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। गोमतीनगर पुलिस ने परिवारजन से पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि युवक के शरीर पर अन्य कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे स्पष्ट है कि उसने ट्रेन के आगे गर्दन रखकर जान दी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

14 महीने बाद फिर डॉ अनूप श्रीवास्तव को मिला कार्यवाहक CMO का चार्ज

सीतापुर- जनपद सीतापुर में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी अहम खबर सामने आई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) सुरेश कुमार के रिटायर होने के बाद एक बार फिर कार्यवाहक सीएमओ का चार्ज डॉ अनूप श्रीवास्तव को सौंपा गया है। डॉ अनूप श्रीवास्तव कड़क और ईमानदार छवि पिछली बार भी देखी गई थी गौरतलब है कि करीब 14 महीने पहले भी उन्हें एक महीने के लिए कार्यवाहक सीएमओ की जिम्मेदारी दी गई थी। उस दौरान उन्होंने कम समय में जनपद को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का प्रयास किया था,और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने कर पूर्ण प्रयास किया था ।जिसकी चर्चा विभाग और आम जनता में हुई थी। अब एक बार फिर जिम्मेदारी मिलने के बाद उनसे उम्मीदें बढ़ गई हैं। माना जा रहा है कि उनके पिछले अनुभव का लाभ जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को मिलेगा और मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

बन्नी एवं खरैला गांव में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर- जनपद सीतापुर के विकासखंड बिसवां में पहल फाउंडेशन द्वारा संचालित 'शिक्षा संकल्प कार्यक्रम' शैक्षिक क्षेत्र में एक प्रेरणादायी पहल के रूप में उभर रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूल से बाहर (School Out) एवं ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को पुनः निकटवर्ती विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। विशेष रूप से अति पिछड़े क्षेत्रों में यह अभियान शिक्षा की अलख जगाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इसी क्रम में बन्नी एवं खरैला गांव में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यक्रम दाता डॉ. सुधाकर वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की गतिविधियों का गहन अवलोकन करते हुए प्रोजेक्ट से जुड़े फैसिलिटेटर लवलेश कुमार एवं लवकुश यादव को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें पुनः विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न शैक्षिक एवं प्रेरणात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों और अभिभावकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति, बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिवाकर प्रकाश वर्मा, पुष्पेंद्र वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ. सुधाकर वर्मा का संकल्प 'शिक्षित हो हर बच्चा अपना' इस अभियान की मूल प्रेरणा है। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए वे स्वयं टीम के साथ डोर-टू-डोर जाकर अभिभावकों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने एवं जिन बच्चों का प्रवेश आर्थिक अभाव के कारण नहीं हो पा रहा है, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने का सराहनीय प्रयास भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि डॉ. वर्मा पिछले तीन वर्षों से निरंतर छात्रवृत्ति प्रदान कर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। इसी कड़ी में पहल फाउंडेशन के माध्यम से चलाया जा रहा यह 'शिक्षा संकल्प कार्यक्रम' शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यापक और प्रभावी अभियान बनता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया और हर संभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों को शिक्षा से जोड़ रहा है, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डीएम के आदेश पर छापेमारी में लाइफ लाइन अस्पताल पर उठे सवाल

● प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के आरोप

स्वास्थ्य विभाग की जांच में मानकविहीन अस्पतालों पर कार्रवाई

वायरल वीडियो से मामला गरमाया, बना चर्चा का विषय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने जनपद में मानकविहीन अस्पतालों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने की बात कही जा रही है। इसी कार्रवाई के दौरान शहर के लाइफ लाइन अस्पताल का नाम भी चर्चा में आया है, जहां कथित रूप से प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। इस कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अस्पताल में दवाओं को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है, लेकिन यदि इसमें किए जा रहे दावे सही साबित होते हैं तो यह मरीजों की सुरक्षा के साथ बड़ा खिलवाड़ माना जाएगा। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान अस्पताल में कुछ मानकों की अनदेखी भी सामने आई है। इसके बावजूद अब तक संबंधित अस्पताल के विरुद्ध किसी तरह की ठोस कार्यवाई नही की गई है, जिससे चर्चाओं का बाजार गर्म है कि लाइफ लाइन अस्पताल में प्रतिबंधित दवाओं के मिलने के बावजूद कार्यवाई न करना अपने आपमे कई सवालों को जन्म दे रहा है वही सूत्रों की मानी जाए तो उक्त अस्पताल में धड़ल्ले से डिलीवरी व महिला मरीजों का उपचार किया जा रहा है जबकि अस्पताल में कोई प्रशिक्षित महिला डॉक्टर उपलब्ध नही रहती है। उसके बावजूद डिलीवरी आदि का कराया जाना संदेहास्पद होना प्रतीत हो रहा है हालांकि यह पूरा मामला स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोल तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है, तो संबंधित संस्थान पर सख्त कार्रवाई आवश्यक मानी जा रही है।

क्या लाइफ लाइन अस्पताल में प्रतिबंधित दवाओं का उपयोग किया जा रहा था? जांच के बावजूद अभी तक अस्पताल पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होगी? पहले भी कई मौतों के मामले में सुर्खियों में रहा अस्पताल, आखिर कार्यवाई होगी कब ? जनपद में इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस प्रकरण में क्या सख्त कदम उठाता है और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता व सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्रवाई करता है!!

संक्षिप्त खबरें

ओपनिंग वीकेंड में ही लड़खड़ाई 'सुजाता', दर्शकों ने फिल्म से बनाई दूरी

कानपुर। बड़े पर्दे पर स्थानीय कलाकारों के साथ रिलीज हुई फिल्म 'सुजाता' का ओपनिंग वीकेंड उम्मीदों के विपरीत रहा। शुक्रवार से रविवार तक शुरुआती तीन दिनों में फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी। शहर के कई सिनेमाघरों में शो के दौरान सीटें खाली नजर आईं, जिससे फिल्म की शुरुआत कमजोर मानी जा रही है। सिनेमाघरों में मौजूद दर्शकों के मुताबिक फिल्म को लेकर शुरुआती उत्साह सीमित ही रहा। कई जगहों पर शनिवार और रविवार को भी भीड़ नहीं बढ़ सकी और ऑक्यूपेंसी कम दर्ज की गई। फिल्म ट्रेड से जुड़े जानकारों का कहना है कि रिलीज से पहले जिस स्तर का प्रचार-प्रसार होना चाहिए था, वह देखने को नहीं मिला। सीमित प्रमोशन का असर सीधे ओपनिंग कलेक्शन और दर्शकों की संख्या पर पड़ा। फिल्म की कहानी सामाजिक और समकालीन मुद्दों पर आधारित बताई जा रही है, लेकिन शुरुआती प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। कुछ दर्शकों ने विषय की सराहना की, वहीं कई लोगों ने स्क्रीनप्ले को धीमा और कहानी को कमजोर बताया। हालांकि स्थानीय कलाकारों को मंच देने की पहल की सराहना भी हो रही है। लोगों का कहना है कि अगर कहानी और प्रस्तुति और मजबूत होती तो फिल्म को बेहतर प्रतिक्रिया मिल सकती थी। फिल्म के निर्माता-लेखक संतोष गुप्ता ने इसे सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म बताया है और उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में दर्शक इसे पसंद करेंगे। मुख्य भूमिकाओं में देविका सिंह और अजय त्रिपाठी नजर आ रहे हैं, जबकि निर्देशन रवि शर्मा ने किया है। फिल्म फिलहाल शहर के चुनिंदा सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अब फिल्म का भविष्य दर्शकों की प्रतिक्रिया और वर्ड-ऑफ-माउथ पर टिका है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कंटेंट लोगों को पसंद आया तो दूसरे हफ्ते में स्थिति सुधर सकती है, अन्यथा स्क्रीन कम होने की संभावना है।

सीएम योगी के निर्देश पर एयरफोर्स ने संभाली कमान, पानी की टंकी पर फंसे बच्चों को किया गया एयरलिफ्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर के नवगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम बेलसड़ तप्पा थरौली में पानी की टंकी पर हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। रील बनाने के लिए टंकी पर चढ़े पांच बच्चों में से सीढ़ी टूटने के कारण तीन नीचे गिर गए, जिनमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। वहीं दो बच्चे टंकी के ऊपर ही फंस गए थे।

सीएम के निर्देश पर अलर्ट हुआ प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालने में कोई ढिलाई न बरती जाए। सीएम योगी के निर्देश के बाद जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने हालात की गंभीरता को देखते हुए राहत आयुक्त से हेलीकॉप्टर की मांग की, जिसे तत्काल स्वीकृति मिल गई।

चुनौतीपूर्ण हालात में चला रेस्क्यू

सीएम योगी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में कई बाधाएं सामने आईं। टंकी के आसपास जलभराव के कारण जमीन दलदली हो गई थी, जिससे भारी मशीनरी जैसे जेसीबी और क्रेन का उपयोग संभव नहीं हो सका। टंकी की ऊंचाई और टूटी सीढ़ी के कारण ऊपर पहुंचना जोखिम भरा था, बावजूद इसके प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने लगातार प्रयास जारी रखा।

एयरफोर्स की मदद से बच्चों को उतारा गया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भारतीय वायुसेना से सहायता ली गई। गोरखपुर से हेलीकॉप्टर मंगवाया गया, जिसने रविवार सुबह मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। एयरफोर्स की टीम ने अत्यंत सावधानी से दोनों फंसे बच्चों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित नीचे उतार लिया।

ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों को चीन ने ठुकराया

● अपनी 5 रिफाइनरियों के लिए जारी किया आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने ईरान से तेल खरीदने के आरोपी अपने पांच टीपॉट रिफाइनरियों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को अवैध बताते हुए उनके खिलाफ 'निषेधाज्ञा' जारी किया है। चीनी सरकार का कहना है कि वह इन एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देगी और इन्हें राष्ट्रीय संप्रभुता व सुरक्षा के खिलाफ बताया है। दरअसल, यह कदम विशेष रूप से हेंगली पेट्रोकेमिकल और चार अन्य स्वतंत्र टीपॉट रिफाइनरियों को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से बाहर किए जाने के जवाब में उठाया गया है। चीन का कहना है कि ये प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करती हैं।

राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए उठाया गया कदम

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उसने एक निषेध आदेश जारी किया है, जिसमें यह निर्धारित किया गया है कि प्रतिबंधों को मान्यता नहीं दी जाएगी, लागू नहीं किया जाएगा या उनका पालन नहीं किया जाएगा। चीन ने इस आदेश को राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया है।

एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध

चीनी मंत्रालय ने आगे कहा, 'चीनी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी और अंतरराष्ट्रीय कानून में आधार के बिना एकतरफा प्रतिबंधों का लगातार विरोध किया है।' इसमें कहा गया है कि इस आदेश ने हेंगली पेट्रोकेमिकल (डालियान) रिफाइनरी और चार अन्य तथाकथित 'टीपॉट' रिफाइनरियों- शेडोंग जिनचेंग पेट्रोकेमिकल ग्रुप, हेबेई शिन्हाई केमिकल ग्रुप, शौगुआंग लुकिंग पेट्रोकेमिकल और शेडोंग शेंगक्सिंग केमिकल के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को रोक दिया है। गौरतलब है कि 24 अप्रैल को अमेरिकी वित्त विभाग ने प्रदिबंधों की घोषणा करते हुए हेंगली को ईरान के सबसे मूल्यवान ग्राहकों में से एक 'बताया और कहा कि इसने कच्चे तेल की खरीद के माध्यम से ईरानी सेना के लिए सैकड़ों मिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न किया था।

विवेक विहार अग्निकांड पर PM मोदी ने जताया शोक

● मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये के मुआवजे का किया एलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट कर इस हादसे को बेहद दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के शाहदरा में आग की घटना में लोगों की मौत अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष क्क्ल्ह्रत्र से मुआवजे का भी ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि, शाहदरा के विवेक विहार में स्थित एक चार मंजिला इमारत में रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीसरी मंजिल पर एक कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बिल्डिंग में धुआं फैल गया। इस हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस इमारत में कुल 8 फ्लैट हैं। तड़के लगी आग की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

रामलला के दिव्य वस्त्रों में दिखेगी भारत की विविध शिल्प परंपरा

रामनगरी अयोध्या में विराजमान रामलला का श्रृंगार केवल आस्था का विषय नहीं है। यह भारत की समृद्ध वस्त्र परंपरा का जीवंत प्रदर्शन भी बन गया है। इन दिनों अधिक गर्मी के कारण रामलला के लिए मौसम के अनुकूल विशेष वस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। इन वस्त्रों से उन्हें गर्मी का तनिक भी एहसास नहीं होगा। गर्मी के इस मौसम में रामलला को शुद्ध कॉटन के हल्के और आरामदायक वस्त्र पहनाए जा रहे हैं, जबकि जून माह में उन्हें बेहद मुलायम मलमल के परिधान धारण कराए जाएंगे। रामलला के दिव्य वस्त्रों को डिजाइन करने का दायित्व संभाल रहे प्रसिद्ध डिजाइनर मनीष त्रिपाठी बताते हैं कि रामलला के परिधान देश के अलग-अलग हिस्सों के उत्कृष्ट टेक्सटाइल से बनाए जाते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों मुर्शिदाबाद, कोयंबटूर, राजस्थान, गुजरात और विदर्भ से विशेष कपड़ा रामलला के लिए आया है। रामलला के हर परिधान में भारत की विविध शिल्प परंपराओं की झलक देखने को मिलती है। कहीं जामदानी की महीन बुनाई, तो कहीं राजस्थानी रंगाई, गुजरात की पारंपरिक बंधनी, कच्छ और सौराष्ट्र की कढ़ाई तो लखनऊ की प्रसिद्ध चिकनकारी हर कला का स्पर्श इन वस्त्रों को दिव्यता और आकर्षण प्रदान करता है।

'लाफ्टर शेफ्स 3' के दौरान सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर किया कटाक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने सीधे और बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। वे अपने यूट्यूब चैनल पर परिवार, मंदिर दर्शन और आध्यात्मिक बातें भी साझा करती रहती हैं। हाल ही में सुनीता शो 'लाफ्टर शेफ्स 3' में नजर आईं। वहां उनका भावुक मिलना हुआ कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह से। लेकिन इसी एपिसोड में सुनीता के गोविंदा पर दिए गए नए कटाक्ष ने सबको चौंका दिया।

सुनीता ने क्या कहा?

शो के दौरान सुनीता ने गोविंदा पर तंज कसते हुए कहा, 'कश्मीरा, जो आदमी अपनी पत्नी का सम्मान करता है, वही असली हीरो है। जो आंखों से गोली मारता है और तीसरे पक्ष के पास चला जाता है, तो उसे घुटनों पर गोली लग जाती है।'

2024 की घटना का जिक्र

अक्तूबर 2024 में गोविंदा को अपने मुंबई घर में गोली लग गई थी। उनके मैनेजर ने बताया था कि गोविंदा कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे। अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर अलमारी में रखते समय वो फिसल गई और गोली उनके पैर में लग गई थी। बहरहाल, गोविंदा अब बिल्कुल स्वस्थ हैं।

'लोग गायब भी हो जाते हैं'

जब कृष्णा ने कहा कि सुनीता को देखकर बड़े-बड़े सुपरस्टार भी कांप जाते हैं, तो सुनीता हंसते हुए बोलीं, 'कांपते हुए तो वे गायब भी हो जाते हैं।' एक और मौके पर कश्मीरा ने जब कृष्णा की जोड़ी की बात की तो सुनीता ने चुटकी लेते हुए कहा, 'ये उनकी आदत है, इसलिए तो गोली चल जाती है। मैंने तो गोली भी नहीं चलाई, फिर भी ये सब हो गया।'

गोविंदा और सुनीता का रिश्ता

गोविंदा और सुनीता का रिश्ता बहुत पुराना है। दोनों बचपन से ही एक-दूसरे को जानते थे। मार्च 1987 में दोनों ने चुपचाप शादी कर ली, जब गोविंदा फिल्मों में नए-नए आए थे।

कई साल तक उन्होंने अपनी शादी को गुप्त रखा। बेटी के जन्म के बाद ही इसकी खबर बाहर आई। गोविंदा और सुनीता की एक बेटी टीना आहूजा (जो पहले फिल्मों में आ चुकी हैं) और बेटा यशवर्धन आहूजा है। गोविंदा ने 'राजा बाबू', 'भागम भाग', 'कुली नंबर 1', 'पार्टनर' जैसी कई हिट फिल्मों के लिए मशहूर हैं। पिछले कुछ समय से वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहते हैं।

फर्जी पेमेंट गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, 5 आरोपी गैंगस्टर एक्ट में नामजद

भदोही। जनपद में सक्रिय फर्जी पेमेंट कर सर्राफा व्यापारियों को ठगने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना ज्योतिष दूबे निवासी थाना विंध्याचल, जनपद मीरजापुर है। इसके साथ गिरोह के सक्रिय सदस्य अजीत कुमार सिंह, पवन सेठ, सौरभ मिश्रा और नितिन पाण्डेय भी शामिल हैं। सभी आरोपी मीरजापुर जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। जांच में सामने आया कि यह संगठित गिरोह फर्जी मोबाइल एप के माध्यम से नकली पेमेंट ट्रांजेक्शन दिखाकर सर्राफा व्यापारियों को ठगता था। आरोपी व्हाट्सएप पर फर्जी 'पेमेंट सफल' का स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदारों से पायल, अंगूठी, मंगलसूत्र व अन्य आभूषण लेकर फरार हो जाते थे। बाद में इन आभूषणों को गलाकर सिल्ली बनाकर बेच देते थे। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सदस्यों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के आतंक के कारण पीड़ित लोग सामने आने से कतराते थे, जिससे इनके हौसले बुलंद थे। थाना गोपीगंज में सभी आरोपियों के विरुद्ध गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 3(1) के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर चोरी कांड का खुलासा

● चोरी के सामान के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, सीएनजी ऑटो भी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। थाना क्षेत्र,राजेश्वरी थाना तथा सीमावर्ती मधेपुरा जिला के शंकरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंदिरों में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में रविवार को एसडीपीओ विभाष कुमार ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि बीते दिनों त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र एवं राजेश्वरी थाना क्षेत्र के मंदिरों में चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इसी दौरान सीमावर्ती मधेपुरा जिले के शंकरपुर थाना क्षेत्र के एक मंदिर में भी चोरी की वारदात की सूचना प्राप्त हुई थी। बता दें कि लगातार धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। एसडीपीओ ने बताया कि घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए सुपौल जिला और मधेपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ विभाष कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें त्रिवेणीगंज थाना,शंकरपुर थाना तथा दोनों जिलों की डीआईयू टीम को शामिल किया गया। गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान,सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन और मानवीय सूचना के आधार पर विभिन्न संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले,जिसके आधार पर शनिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकरपुर थाना क्षेत्र के मधेली बाजार निवासी मोहम्मद अब्बू तालिब के पुत्र मोहम्मद साजिद,सुरेंद्र यादव के पुत्र आशीष कुमार तथा गम्हरिया थाना क्षेत्र निवासी राजकिशोर गुप्ता के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से मंदिरों से चोरी किए गए कई महत्वपूर्ण सामान भी बरामद किए हैं। इनमें करीब 19 किलो वजन के पांच घंटे व घंटियां,माता के श्रृंगार से जुड़े लगभग 380 ग्राम चांदी जैसे आभूषण,15 ग्राम का चांदी का पायल, 50 ग्राम का मुकुट, 35 ग्राम के घुंघरू तथा 230 ग्राम की चांदी की छतरी शामिल हैं। इसके अलावा चोरी की घटना में इस्तेमाल किया गया एक सीएनजी ऑटो भी जब्त किया गया है। एसडीपीओ विभाष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की गई है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है उनकी भी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।

सुनील नरेन ने जड़ा स्पेशल दोहरा 'शतक'

● IPL के इतिहास में पहली बार किया ये कारनामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर सुनील नरेन ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलते हुए खास कारनामा किया। वे ऐसा रिकॉर्ड बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले किसी भी गेंदबाज ने ये कारनामा नहीं किया था। नरेन ने हैदराबाद के सलिल अरोड़ा को आउट कर मैच में पहला विकेट हासिल किया। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल में खास दोहरा शतक जड़ा और युजवेंद्र चहल-भुवनेश्वर कुमार की खास लिस्ट में जगह बना ली है। नरेन ने आईपीएल में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। नरेन आईपीएल में ये कारनामा करने वाले मात्र तीसरे गेंदबाज हैं, जबकि वे पहले विदेशी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट लिए हैं।

सुनील नरेन ने IPL में पूरे किए 200 विकेट

हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से पहले नरेन के नाम पर 195 मैचों में 199 विकेट दर्ज थे। उन्हें 200 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए एक विकेट की दरकार थी और सलिल अरोड़ को आउट कर उन्होंने आईपीएल में अपना खास दोहरा शतक लगाया। नरेन आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज हैं, उनसे पहले किसी भी खिलाड़ी ने ये कारनामा नहीं किया है। नरेन ने मुकाबले में किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 31 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ये कारनामा कर चुके हैं। नरेन इस दौरान बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली की तरह रहे हैं क्योंकि उन्होंने आईपीएल में मात्र 6.8 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं।

नरेन का आईपीएल करियर

नरेन ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 196 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 201 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक बार 5 विकेट हॉल प्राप्त किया है। बल्ले से भी इस दिग्गज ने कुछ अहम पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 165.30 की स्ट्राइक रेट से 1820 रन बनाए हैं।

शारदा नहर में दोस्तों के साथ नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

लखनऊ। रहीमाबाद में दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया एक किशोर तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसका शव बाहर निकाला। परिवारजन ने बताया कि तबलीगी जमात में शामिल होने के लिए आया था। हालांकि इसे हादसा बताते हुए पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया और सिपुर्द-ए-खाक कर दिया। सआदतगंज के अंबरगंज निवासी 15 वर्षीय अशाज अहमद अपने दोस्तों शोएब, अरमान, इस्माइल, अजमत, मोहम्मद अखलाक, मोहम्मद आसीम और अमन के साथ रहीमाबाद के तिरगवां गांव स्थित बिलाली मस्जिद में तबलीगी जमात में शामिल होने आया था। रविवार सुबह सभी साथी टहलने के बहाने मस्जिद से निकले और करीब पांच किलोमीटर दूर लखनऊ-उन्नाव सीमा पर स्थित औरास क्षेत्र के शोभा खेड़ा गांव के पास शारदा नहर में नहाने पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहर के झाल के पास पानी का बहाव काफी तेज था। नहाते समय अशाज अचानक गहरे पानी में चला गया और बहने लगा। साथी शोएब व इस्माइल ने उसे बचाने की कोशिश करते हुए हाथ पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन पानी के तेज होने के कारण उसका हाथ छूट गया और वह देखते ही देखते डूब गया।घटना से साथियों में अफरातफरी मच गई और तत्काल पुलिस व परिवारजन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही औरास थाना पुलिस व रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई।

किसानों की आवाज़ को बुलंद करने का संकल्प

● बेतिया में अतुल कुमार अंजान को भावभीनी श्रद्धांजलि

आंदोलन तेज करने का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया स्थित बलिराम भवन के सभागार में बिहार राज्य किसान सभा, पश्चिम चंपारण इकाई की ओर से एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन किसान सभा के राष्ट्रीय महासचिव रहे स्वर्गीय अतुल कुमार अंजान की पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान नेताओं, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय अतुल कुमार अंजान के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को नमन किया और किसान आंदोलन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अतुल कुमार अंजान के विचारों और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। नेताओं ने कहा कि उन्होंने जीवनभर किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के हक की लड़ाई लड़ी और उनके अधिकारों के लिए लगातार आवाज़ उठाई। उनके सिद्धांत आज भी किसान आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम में यह संकल्प लिया गया कि स्वर्गीय अंजान के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए किसान सभा और अधिक मजबूती के साथ काम करेगी। किसानों की समस्याओं जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्ज़ मुक्ति, सिंचाई, बीज और खाद की उपलब्धता को लेकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान भाकपा के जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि आज के समय में किसानों की स्थिति चिंताजनक है और ऐसे में अतुल कुमार अंजान के विचारों को अपनाकर ही संघर्ष को दिशा दी जा सकती है। किसान नेता राधामोहन यादव और अशोक मिश्र ने भी किसानों की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारों की लड़ाई सड़क से संसद तक जारी रहेगी। कार्यक्रम में कृष्ण नंदन सिंह, केदार चौधरी, संजय सिंह, अंजारूल, चन्द्रिका प्रसाद, खेत मजदूर नेता राजेन्द्र साह,

युवा नेता इदु मियाँ, एटक नेता लालबाबू राम सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे और किसान आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया। महिला भागीदारी भी इस कार्यक्रम की विशेषता रही। शारदा देवी, मालती देवी, रंग देवी, शीला देवी और चंदा देवी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसानों के संघर्ष में महिलाओं की भूमिका को अहम बताया। पूरे कार्यक्रम के दौरान एक स्वर में यह बात सामने आई कि किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए अब संघर्ष को और व्यापक और तेज करने की जरूरत है। अंत में सभी ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे अतुल कुमार अंजान के बताए रास्ते पर चलते हुए किसानों की लड़ाई को और मजबूती देंगे। यह कार्यक्रम न केवल श्रद्धांजलि का अवसर था, बल्कि एक नई ऊर्जा और संकल्प के साथ किसान आंदोलन को आगे बढ़ाने का संदेश भी दे गया।

जज अमन शर्मा सुसाइड केस: पिता की शिकायत पर FIR दर्ज, उकसाने और साजिश की धाराएं लगीं

दिल्ली। ग्रीन पार्क इलाके में न्यायिक अधिकारी अमन कुमार शर्मा की आत्महत्या मामले में पिता प्रेम शर्मा की तहरीर पर सफदरजंग एन्क्लेव थाने में पुलिस ने रविवार को एफआइआर दर्ज की है। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस के मुताबिक मामले में बीएनएस की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) व 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि एफआइआर किसके खिलाफ दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा ने अपने घर के बाथरूम में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान बताया कि वह लंबे समय से वैवाहिक समस्या को परेशान चल रहे थे। उनका अपनी पत्नी से झगड़ा चल रहा था और शनिवार दोपहर भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद अमन कुमार शर्मा ने आत्महत्या की। वहीं, सूत्रों की माने तो दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए (सीजेआई) को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में पुलिस की ओर से मामले में कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी गई है।

सिलापथार में कृति विद्यार्थियों को किया सम्मानित

● युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी- सिलापथार सिलागांव युवा संघ और सिलागांव बासी लोगों के सहयोग में आज 2026 वर्ष के मैट्रिक और हाइयर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा में अपने योग्यता पर अच्छे परिणाम प्राप्त किए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सिलापथार मॉडल हॉस्पिटल के हेल्थ इंस्ट्रक्टर कुमुद सागर सोनवाल के अध्यक्षता में हुई सम्मान समारोह का शुभारंभ किया युवा संघ के अध्यक्ष अनुपम सोनोवाल ने। इलाके की 50 से अधीक मेधावी विद्यार्थियों को फूलाम गमछा, जापी, मानपत्र से सम्मानित किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त हेडमास्टर ज्ञानधर सोनवाल, सब्जेक्ट टीचर माहिम बरुआ, हेडमिस्ट्रेस शांतना मालाकार, टीचर रंजीत सिंह, टीचर ब्रजेन बगलारी, सोशल वर्कर दिगंत सोनवाल, निपोन सोनवाल, दीपांकर सोनवाल, सूर्य बहादुर बिस्वकर्मा और अन्य लोग शामिल हुए। कई वक्ताओं ने विधार्थियों को अपने शिक्षा जीवन में कैसे सफलता प्राप्त कर सके और शिक्षा के साथ एक योग्य नागरिक बनने में खुद को तैयार करने पर महत्व देखकर भाषण दिए। विद्यार्थियों को मादक पदार्थों से खुद को दूर रखकर जीवन को सुंदर बनाने की अपील की।

अखिलेश यादव ने टॉपर्स को बांटे लैपटॉप

● बोले- सपा सरकार बनी तो यत्न से क्क्न तक बेटियों की पढ़ाई मुफ्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा झूठ की सोनपापड़ी बनाती है, जिस पर परत-दर-परत झूठ चढ़ाया जाता है। मेरठ से आए मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर केजी से लेकर पीजी तक बेटियों की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त की जाएगी। रविवार को सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ने मेरठ के 10वीं और 12वीं के टापर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए। इस मौके पर सरधना के विधायक अतुल प्रधान भी मौजूद रहे। उनके सहयोग से लखनऊ के कुछ मेधावी छात्र-छात्राओं को भी लैपटॉप दिए गए। उन्होंने कहा कि डिजिटल डिवाइस देने की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी पार्टी ने की थी, जिसका मकसद डिजिटल डिवाइड को खत्म करना था। उन्होंने दावा किया कि उस समय दिए गए लैपटॉप आज भी चल रहे हैं और कई युवाओं ने उसी के जरिये अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने भाजपा सरकार पर कई मोर्चों पर हमला बोला। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी की सीढ़ी टूटने से बच्चों की मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का नतीजा है। सपा पहले से ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टंकी भ्रष्टाचार का भार तक नहीं सह पाई। तंज कसते हुए कहा कि अगर टंकी की पाइपलाइन की जांच हो जाए तो उसकी कड़ी कालिदास मार्ग तक जुड़ती नजर आएगी। शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और कई विद्यालय बंद होने की स्थिति में हैं। सपा इन आंकड़ों को एकत्र कर रही है और जल्द ही विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करेगी।